Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 5–2025] CHANDIGARH, TUESDAY, FEBRUARY 4, 2025 (MAGHA 15, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 16 जनवरी, 2025

संख्या 12/250–अतिथि गृह भाई उदय सिंह–2024/पुरा/300–07.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250–अतिथि गृह भाई उदय सिंह–2024/पुरा/3530–36, दिनांक 16 अक्तूबर, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते है:–

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
अतिथि गृह, भाई उदय सिंह, पिहोवा, 19वीं शताब्दी	अतिथि गृह, भाई उदय सिंह, पिहोवा, 19वीं शताब्दी	पिहोवा	कुरूक्षेत्र	1351/1289	81–7	ग्राम पंचायत, हरियाणा सरकार	भाई उदय सिंह 19वीं सदी की शुरुआत में पेहोवा नगर पर शासन कर रहे थे। पेहोवा में स्थित भाई उदय सिंह का अतिथि गृह, इंडो–सरसेनिक वास्तुशैली का एक उत्कृष्ट नमूना है। भाई उदय सिंह की मृत्यु हो जाने के कारण इस भवन का निर्माण अधूरा रह गया था। वर्तमान में यह इमारत लोक निर्माण विभाग द्वारा इस्तेमाल में है। शुरू में इसे ब्रिटिश सेना के अधिकारियों के लिए अतिथि गृह के रूप में इस्तेमाल किया गया था। यह दो मंजिला इमारत है जिसमें भीतरी आंगन है। इसके छज्जे और झरोखे मुगल शैली से लिए गए है, वहीं स्तंभ और उनके दीवारगीर रोमन कुरिन्थियन शैली से प्रेरित है। इस इमारत के सामने एक भव्य द्विखंडित सीढी है जो वृत्ताकार स्तंभावली से सुसज्जित बरामदे की ओर जाती है, जहां से लकडी की

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							धरणिका और पत्थर की छत से निर्मित एक कमरे में प्रवेश होता है। कमरे में आगे 'तख्त' है, जहां उस युग के शिलालेख मौजूद है। वृत्ताकार बरामदे के क्षेत्र से एक पानी की टंकी सटी हुई है, जिसमें एक फव्वारा है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 16th January, 2025

No. 12/250-Guest House of Bhai Udai Singh-2024/pura/300-07.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to the Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-Guest House of Bhai Udai Singh-2024/Pura/3530-36, dated the 16th October, 2024 the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/Kila number under protection	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Guest House of Bhai Udai Singh, Pehowa 19th Century CE	Guest House of Bhai Udai Singh, Pehowa 19th Century CE	Pehowa	Kurukshetra	1351/1289	81-7	Gram Panchayat, Haryana Government	Bhai Udai Singh was ruling the town of Pehowa in the early 19th century. The Guest House of Bhai Udai Singh, located at Pehowa, is an architectural masterpiece in Indo-Saracenic architectural style. The building was left incomplete on his death. The building has been functioning as a PWD guest house. Initially it was used as a guest house for the officials of the British army. The building is of two-storey height and has internal courtyards. The "chajjas and Jharokhas" are the elements derived from Mughal style whereas the column and their brackets inspired from Roman Corinthian order. The building has a grand bifurcated stairs in front which leads to the circular colonnade porch leading to the room with wood joist and stone roof. Further this leads to the "takht" which has written inscriptions of the era. Adjoining the circular porch area there is a water tank with a fountain.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11620—C.S.—H.G.P., Pkl.